अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषय

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

संकाय- चिकित्सा संकाय

(नियम, परीक्षा, योजना, अंकन, योजना एवं पाठ्यक्रम)

सत्र - 2022-2023

11/3/22

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रौपाधि पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

अकादमिक सत्र 2022-23

पाठ्यक्रम का परिचय एवं उद्देश्य:- इलेक्ट्रो होमियोपैथिक चिकित्सा विज्ञान प्राकृतिक रूप से हानिरहित होने के साथ साथ सस्ती,सरल एवं वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली है। जिसका आविष्कार सन 1865 में बोलोग्ना इटली के डॉ काउंट सीजर मैटी ने किया था। चिकित्सा की इस प्रणाली का मुख्य आधार शरीर के अंदर मौजूद रस अर्थात लसिका एवं रक्त नामक दो द्रव्य पदार्थ हैं। जिनके असन्तुलन व दूषित होने पर शरीर मे व्याप्त विद्युतीय ऊर्जा की कमी से शरीर के अंगों की क्रिया घटने व बढ़ने से ही रोग की उत्पत्ति होती हैं।

विद्युतीय शक्ति या ऊर्जा पौधों सहित सभी जीवित प्राणियों में पायी जाती है,शरीर की कोई भी कोशिका,ऊतक,अंग या तंत्र का संचालन विद्युतीय ऊर्जा के बिना संभव नही हो सकता यह विज्ञान का एक मौलिक व बुनियादी सिद्धान्त हैं। वहीं जीवित कोशिकाओं की विद्युत ऊर्जा का निर्माण,संचरण,उपयोग और निर्वहन शरीर के चयापचय के लिये जिम्मेदार हैं। स्वस्थ्य जीवन हमें समय - समय पर रोगों और चिकित्सा विज्ञान की सभी घटनाओं के माध्यम से तर्क संगत स्पष्टीकरण भी देता है,जिसकी कमी पूरी करना आवश्यक हैं।

इलेक्ट्रो होमियोपैथिक चिकित्सा विधा की हर्बल औषधियां अन्य विधाओं की फार्माकोपियायो में उल्लिखित सभी दवाओं की तुलना में अधिक कार्यात्मक क्षमता बहाल करने और जैविक परिवर्तनो को रोकने हेतु सक्षम हैं।

इस विधा की औषधियां वनस्पति जगत में व्याप्त विद्युतीय शक्ति से संपन्न पेड़ - पौधों से एक विशेष विधि (शीताशव विधि) से "स्पेजेरिक एसेंस" प्राप्त किया जाता है। जो सरकार द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त जर्मन फार्माकोपिया का एक हिस्सा है।"भारत के ड्रग्स एन्ड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के तहत अनुसूची आइटम नम्बर 4 A (B) के रूप में इन उपायों को शुद्ध करने के लिये अधिक उपचारात्मक हैं।

यह पाठ्यक्रम एक सुदृढ़ स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजना के रुप में विकसित होगा। शिक्षा एक मूलभूत अधिकार है किंतु विगत वर्षो से शिक्षा प्राप्ति का उददेश्य सिर्फ सरकारी नौकरियां प्राप्त करना ही होता आ रहा है इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षित युवा बेरोजगारों के बीच स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे इसके क्रियान्वयन में आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्र की जनता को बहुत लाभ होगा साथ ही किसी भी विपरीत परिस्थितियों जैसे महामारी , बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं में शासकीय अमलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने की स्थिति में होंगे एवं शासन पर बिना किसी वित्तीय अधिकार के गांव गांव में स्वास्थ्य नेटवर्क उपलब्ध होगा जिस प्रकार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं ने देश रके समक्ष एक अनूठा उदाहरण पेश किया है उसी प्रकार यह पाठ्यक्रम भी क्षेत्र की जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता भारतीय परिवेश में कार्य करने के लिए आवश्यक है।

11/3/22

इन्हें निम्न विषयों का प्रशिक्षण आवश्यक है

1. शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान का ज्ञान
2. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका एवं फार्मेसी का ज्ञान
3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाली बीमारियों का ज्ञान
4. स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित संपूर्ण ज्ञान
5. चिकित्सकों के आदेशों के पालन हेतु ज्ञान
6. विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिन्हित करने का प्रशिक्षण
7. जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया, रक्तअल्पता आदि का ज्ञान
8. गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण
9. जटिल बीमारियों एवं वृध्दों की देखभाल का ज्ञान
10. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का ज्ञान

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रूप में पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में कार्य कर स्वास्थ्य सुविधाओ को सुदृढ़ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा।

प्रवेश योग्यता- 10+2 (किसी भी विषय में)

पाठ्यक्रम की अवधि- एक वर्ष सैध्दांतिक अध्ययन एवं

3 माह का क्लीनिकल प्रशिक्षण (शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल / क्लीनिक द्वारा)

क्लीनिकल प्रशिक्षण उपरांत ही पत्रोपाधि डिप्लोमा प्राप्त होगा।

माध्यम - हिन्दी

पाठ्यक्रम शुल्क - 25000/-

अध्ययन योजना-

कार्यक्रम	अवधि	अनिवार्य संपर्क घंटे	कुल अध्ययन अवधि
इलेक्ट्रोहोम्योपैथी डिप्लोमा	1 वर्ष	सैध्दांतिक अनुदेशो एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य संपर्क घंटे	540 घंटे

11/3/22

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

अकादमिक सत्र 2022-23

पाठ्यचर्चा

भाग 1- बुनियादी शरीर रचना विज्ञान एवं शरीर क्रिया विज्ञान

इकाई-1

ऊपरी अंग (हड्डियां, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)

निचला अंग (हड्डियां, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)

इकाई-2

पेट: (हड्डियों, अंगों, मांसपेशियों, नसों, धमनियां)

सिर और गर्दन (हड्डियों, अंगों, मांसपेशियों, नसों, धमनियां)

थोरैक्स (हड्डियां, अंग, मांसपेशियां, नसें, धमनियां)

इकाई-3

कोशिका, ऊतक, रक्त, विटामिन, खनिज

पाचन तंत्र

हृदय प्रणाली

इकाई-4

श्वसन प्रणाली

कंकाल प्रणाली

तंत्रिका तंत्र

इकाई-5

मूत्र प्रणाली

प्रजनन प्रणाली

संचार प्रणाली

इकाई-6

अंतःस्त्राविका

त्वचा

इकाई-7

नेत्र विज्ञान

ई.एन.टी

11/3/22

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

अकादमिक सत्र 2022-23

भाग 2- फार्मेसी एवं मटेरिया मेडिका

इकाई- 1- मटेरिया मेडिका और मेडिसिन का अभ्यास

1. 17 वीं और 18 वीं शताब्दी में दवाओं के मूल्यांकन का इतिहास, चिकित्सा का विज्ञान और दर्शन
2. काउंट सीजर मैटी का आगमन, जीवन का इतिहास और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की खोज।
3. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दार्शनिकों के कार्य।
4. जीवन, स्वास्थ्य और रोग के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सिद्धांत का सामान्य दर्शन।
5. ध्रुवीयता और ऊर्जा के संचलन का नियम, आयुध डिपो-बल।
6. स्वभाव, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक डोजोलॉजी।
7. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाओं की क्रिया का तंत्र।
8. वृद्धि, एंटिडोट और सही खुराक इसके रोग संबंधी आधार, रोगग्रस्त अवस्था में क्रिया का तरीका।
9. दोहरा उपचार: अवधारणा और अनुप्रयोग।
10. संविधान का सिद्धांत: (ए) लसीका (बी) सेशुंवीन (सी) पित्त (डी) नर्वस (ई) मिश्रित।
11. गतिशीलता का सिद्धांत।
12. इलाज का नियम आदर्श इलाज, औषध रोग, संवेदनशीलता।
13. इलेक्ट्रो होम्योपैथी का दवाओं की अन्य प्रणाली के साथ अंतर।
14. इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवाओं के निर्माण के सिद्धांत

इकाई- 2 - निम्नलिखित उपायों का विस्तृत अध्ययन -

अ. मैटी रेमेडीज:-

1. स्क्रोफोल्सो ग्रुप - S1, S2, S3, S5, S6, S10, S11, Slass।
2. लिनफैटिको समूह - L1
3. एंजियोटिको समूह - A1, A2, A3
4. फेब्रिफ्यूगो समूह - F1, f2
5. पेटोरेल समूह - P1, P2, P3, P4
6. वर्मीफुगो समूह - V1, V2
7. कैंसरोसो समूह - C1, C2, C3, C4, C5, C6, C10, C13, C15, C17
8. वेनेरियो समूह - Ven1

11/3/22

ब. जर्मन (जटिल) उपचार: -

1. स्क्रोफोलोसो समूह - S4, S7, S8, S9
2. लिनफैटिको समूह - L2
3. पटोरेल समूह - P5, P6, P7, P8, P9
4. कैंसरोसो समूह - C7, C8, C9, C11, C12, C14, C16
5. वेनेरियो समूह - वेन2, वेन3, वेन4, वेन5
6. संश्लेषण, संश्लेषण या sy

स. तरल उपचार -

लाल बिजली - RE

पीली बिजली - YE

नीली बिजली - BE

हरित बिजली - GE

सफेद बिजली - WE

एक्वा पेरला पेली - APP

खुराक की ताकत के चयन के लिए दिशानिर्देश और उन बिंदुओं के बारे में अध्ययन करें जिन पर बिजली और मलहम लगाया जाना चाहिए।

इकाई- 3- इलेक्ट्रो होमियोपैथिक फिलॉसफी एंड फार्मेसी

अ. दर्शनशास्त्र

1. डॉ. काउंट सीजर मैटी की जीवनी।
2. भारत में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की परिभाषा, कार्यक्षेत्र और महत्व (ऐतिहासिक विकास) में ईएच दार्शनिकों के कार्य शामिल हैं।
3. ध्रुवीयता का नियम और ऊर्जा का संचलन, आयुध डिपो-बल।
4. डोजोलॉजी का कानून, वृद्धि, मारक।
5. संविधान का सिद्धांत।

(ए) लिम्फैथिक

(बी) सेशुंवीन

(सी) बिलियस

(डी) घबराहट

(ई) मिश्रित

ब. फार्मेसी

परिचय: इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मेसी की परिभाषा और महत्व, फार्मेसी की शाखाएं:

(i) एक्सटेम्पोरनियस फार्मेसी (ii) आधिकारिक फार्मेसी

इकाई- 4 - फार्मेसी से संबंधित शर्तें:

फार्माकोलॉजी, फार्माकोग्नॉसी, मटेरिया मेडिका, फार्माकोडायनामिक्स, फार्माकोपिया, फार्मासिस्ट, फार्माकोथेरेप्यूटिक्स और डिस्पेंसिंग फार्मास्युटिक्स।

11/3/22

उपाय - पॉलीक्रेस्ट उपाय, सार्वभौमिक उपाय

औषध - औषधि की परिभाषा, औषधियों का इतिहास, औषधियों का स्रोत और औषधियों के अन्य अनुप्रयोग।

औषधि के मार्ग - 1. औषधि के बाहरी मार्ग

2. दवा के आंतरिक मार्ग - 1.ड्रग के सब्लिशिंग मार्ग 2.दवा के मौखिक मार्ग 3.ड्रग के पैरेंट्रल रूट्स

भेषज: फार्माकोगोनोसी की परिभाषा, दायरा और फार्माकोगोनोसी में जड़ी-बूटियों का दायरा।

इकाई- 5 - पौधों का संग्रह:

जड़ों का संग्रह: (1) गुप्त जड़ें (2) टैप रूट्स

तने का संग्रह, पत्तियों का संग्रह, फूलों का संग्रह और फलों और बीजों का संग्रह।

पौधों का वर्गीकरण :

ईएचपी सिस्टम ऑफ मेडिसिन के अनुसार पौधे का नाम (सामान्य नाम और वानस्पतिक नाम), पौधे का परिवार, आवास, आवास या घटना, रासायनिक घटक और पौधे की औषधीय संपत्ति। इलेक्ट्रो होम्योपैथी के 115 औषधीय पौधे का अध्ययन।

वाहन: परिभाषा, वाहनों के उपयोग, वाहनों के गुण, वाहनों को तैयार करने की विधि और वाहनों के कार्य।

वाहनों के प्रकार:

अ. ठोस वाहन - सैक्राम लैक्टिक, दूध की चीनी, ग्लोब्यूल्स, गोलियां, पिल्यूल्स, कोन शुगर आदि।

ब. तरल वाहन - आसुत जल, शराब, शुद्ध आत्मा, तेल, ग्लिसरीन, वैसलीन और लाइनमेंट इत्यादि।

इकाई- 6 - एक आदर्श फार्मेसी

दवाओं की तैयारी के लिए स्थिति, भवन, कच्चा माल (पौधे), दवा निर्माण और प्रयोगशाला में उपकरण, दवाओं का संरक्षण।

दवा के बर्तन:

चॉपिंग बोर्ड, चॉपिंग नाइफ, मोर्टार और मूसल, प्रेस सीव्स, स्पैटुला और चम्मच, कीप, मापने वाला ग्लास और सिलेंडर, बैलेंस, बड़ा जार, बोतलें और कॉर्क।

वितरित सामग्री:

एरोसोल, एप्लिकैप, बैंड, एड्स, कैप्सूल, हार्ड जिलेटिन कैप और स्टाफ जिलेटिन कैप।, कैथेटर, ड्रॉप्स, डस्टिंग पाउडर, आई ड्रॉप, ईयर ड्रॉप्स, गार्गल, ग्लोब्यूल्स, इंजेक्शन, इनहेलेशन, इरिगेटर्स, जैल, जेली, लोशन, लिंक्टस। एक्सपेक्टोरेंट, लिनिमेंट्स और फेफड़े, माउथ वॉश, नेज़ल ड्रॉप्स, ओरल पिल्स, ओरल ड्रॉप्स, प्लास्टर, सिरप, सपोसिटरी, टांके, टैबलेट, टॉनिक आदि।

इकाई- 7 - संक्षिप्ताक्षर और प्रिस्क्रिप्शन लेखन:

मौसम के अनुसार तैयारी प्रक्रिया के लिए पौधे का चयन।

व्यावहारिक:

- फार्मास्युटिकल वर्तनों की पहचान और उपयोग।
- इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पौधों का संग्रह और पहचान हर्बेरियम फाइल में प्रस्तुत संख्या में लगभग 25।
- शुद्धता विधि परीक्षण।
- ईएचपी फार्मेसी में उपयोग होने वाले वाहनों को तैयार करने की विधि। स्पागीरिक एसेंस तैयार करने की प्रयोगशाला विधि और इसकी परिरक्षण प्रक्रिया। उच्च बनाने की क्रिया, निस्पंदन, सहवास प्रक्रिया और अंतःस्रावी।
- मापन और मानकीकरण।

11/3/22

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी डिप्लोमा

अकादमिक सत्र 2022-23

भाग 3 - प्रेक्टिस आफ मेडिसिन

इकाई- 1 - मूल सिद्धांत: -

बुनियादी सिद्धांत और अभ्यास की वस्तुएं, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अभ्यास की अवधारणा, रोगों के प्रकार और उपचार के तरीके। **बुखार :** - सामान्य प्रकार के बुखार, प्रोटोजोअल संक्रमण के कारण, मलेरिया, काला पानी बुखार, लीशमैनियासिस, कालाजार, जीवाणु संक्रमण के कारण होने वाले बुखार, मस्तिष्कमेरु बुखार, बुखार का जटिल समूह, पीला बुखार, स्पाइरोचेटल संक्रमण के कारण होने वाले बुखार, उपदंश, वायरस के संक्रमण के कारण होने वाले बुखार खसरा, जर्मन खसरा चिकन पॉक्स, चेचक, वैक्सीनिया, डेंगू, भौतिक और रासायनिक एजेंटों के कारण होने वाला बुखार, अज्ञात रोग विज्ञान के बुखार, सेप्टिसीमिया, पाइमिया, एरिसिपेलस, प्लेग।

इकाई- 2 - परिसंचरण तंत्र:-

विषयगत लक्षण, उद्देश्य गायन, सामान्य गायन, नाड़ी रक्त, दबाव, नाड़ी तरंग, हृदय की शारीरिक परीक्षा, शारीरिक स्थिति, शीर्ष धड़कन का निरीक्षण और तालमेल, दाएं वेंट्रिकुलर धड़कन, अन्य धड़कन, अधिजठर धड़कन, शिरापरक धड़कन, रोमांच, टक्कर, हृदय की सुस्ती, हृदय का गुदाभ्रंश, असामान्य हृदय ध्वनियाँ, हृदय की ध्वनियों का तुल्यकालन, बड़बड़ाहट बाह्य हृदय की ध्वनियाँ, हृदय की वाद्य परीक्षा, पॉलीग्राफ, इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफ़ का परिचयात्मक अध्ययन, हृदय की एक्स-रे परीक्षा, धड़कन। डिस्पेनिया सिंकोप, सायनोसिस, अतालता, जन्मजात हृदय रोग। मायोकार्डियल रोग, जन्मजात हृदय रोग का विभेदक निदान, धमनी रोग, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हृदय रोग, एनजाइना पेक्टोरिस, मायोकार्डियल रोधगलन, धमनीविस्फार, वासोमोटर रोग, फुफ्फुसीय धमनी के रोग, विशेष परिस्थितियों में हृदय, अतिवृद्धि और हृदय संचार विफलता का फैलाव। कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का पूर्वानुमान।

इकाई- 3 - श्वसन प्रणाली:-

व्यक्तिपरक घटनाएं, खांसी, छाती में दर्द, डिस्पेनिया, थूक, हेमोप्टाइसिस, ऊपरी श्वसन पथ की शारीरिक जांच, नाक, गले, ग्रसनी टॉन्सिल, स्वरयंत्र, फेफड़ों की शारीरिक जांच, निरीक्षण, तालमेल, टक्कर गुदाभ्रंश, सांस की आवाज, स्वर प्रतिध्वनि , आकस्मिक ध्वनियाँ, घर्षण, विशेष ध्वनियाँ, फुफ्फुसीय रोग, डिप्थीरिया, काली खांसी, ट्रेकाइटिस, ब्रोन्किइक्टेसिस, ब्रोन्कियल रुकावट, अस्थमा, ट्रॉपिकल ईसिनोफिलिया, निमोनिया, न्यूमोनाइटिस, फेफड़े का फोड़ा, फेफड़े का गैंग्रीन। फुफ्फुसीय तपेदिक, वातस्फीति, फुफ्फुसीय रोधगलन पतन, फुफ्फुसीय रसौली, न्यूमोकोनियोसिस, फेफड़े का उपदंश, अन्य फुफ्फुसीय रोग, फुफ्फुस, हाइड्रोथोरैक्स, हेमोथोरैक्स, काइलोथोरैक्स, न्यूमोथोरैक्स, डायाफ्रामिक ऐंठन, मीडियास्टिनल ट्यूमर।

11/3/22

इकाई- 4 - पाचन तंत्र :-

विषयपरक घटना, भूख और प्यास, अपच, पेट में दर्द, अन्य असहज संवेदनाएं, पेट का दर्द, टेनेसमस, मतली और उल्टी, रक्तगुल्म। दस्त, कब्ज, आंतों में रुकावट, मुंह की जांच, सांस, अन्नप्रणाली, पेट की शारीरिक रचना, निरीक्षण, तालमेल, टक्कर, गुदाभ्रंश, पेट, आंत, मलाशय की जांच, मल की जांच, शारीरिक परीक्षण और जिगर की बीमारियों के संकेत, पित्ताशय की सामग्री परीक्षण, एक्स-रे परीक्षा, अग्न्याशय, सामान्य आहार रोग, पायरिया, एल्वोकोलाइटिस, स्टामाटाइटिस, जीभ, लार ग्रंथियां, अन्नप्रणाली, पेट-जठरशोथ, गैस्ट्रिक अल्सर, ग्रहणी अल्सर, गैस्ट्रिक कैंसर, पेट का फैलाव, पाइलोरिक बाधा, तीव्र दस्त, जीर्ण दस्त, हैजा, ileitis, पेचिश, बृहदांत्रशोथ, बृहदान्त्र के अन्य रोग, अपच, विसेरोप्टोसिस, निष्क्रिय भीड़।

इकाई- 5 - विकृति विज्ञान

1 परिचय। परिभाषा, विभिन्न प्रयोगशाला तकनीक और माइक्रोस्कोपी।

2. स्वास्थ्य और रोग। परिभाषा, रोग की इटियोलाजी।

3. सूजन: - इसकी अवधारणा, विभिन्न चरण और नैदानिक अभिव्यक्ति, इसकी एटिओलॉजी, तीव्र और पुरानी प्रकार, फाइब्रोसिस सहित मरम्मत, दमन,

4. परिसंचरण की गड़बड़ी: - हाइपरमिया, थ्रोम्बिसिस एम्बोलिज्म और एडिमा।

5. अपक्षयी ऊतक परिवर्तन: - शोष, बादल सूजन, अध: पतन, परिगलन और गैंग्रीन, घुसपैठ विकार।

6. पुनर्योजी ऊतक परिवर्तन: - अतिवृद्धि, हाइपरप्लासिया, हीलिंग, केलोइड ।

7. प्रोलिफ़ेरेटिव ऊतक परिवर्तन: - ट्यूमर, उनका इटियोलाजी वर्गीकरण।

अ. सौम्य :- फाइब्रोमा, मायोमा, लिपोमा, ओस्टोमा, कोंड्राया।

ब. घातक: - कार्सिनोमा, सारकोमा लिंफोमा, मेलेनोमा ।

जीवाणु विज्ञान : -निम्नलिखित बैक्टीरिया की आकृति विज्ञान, वृद्धि और रोगजनन, स्टैफिलोकोकस, स्ट्रेप्टोकोकस, न्यूमोकोकस, गोनोकोकस, गोरिन-बैक्टीरियम डिप्थीरी, माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, क्लोस्ट्रीडियम टेटानी, साल्मेनेला टाइफी, शिगेला पेचिश, विब्रियो कोलेरे, ट्रेपोनामा पैलिडम (सिफलिस)

परजीवी विज्ञान:- प्लास्मोडियम चिरायु, एस्केरिस लुम्ब्रिकोइड्स, एंकिलो-स्टोमाडुओ-डेनेल, ऑक्स्यूरिस, टी। सोलियम, वाउचरिया बैनक्रॉफ्टी, लीशमैनिया डोनोवानी, ट्राइकोमोनास वैजाइनलिस, जिआर्डिया लैम्ब्लिया, इचिनोकोकस ग्रैनुलोसम।

इकाई- 6 - विषाणु विज्ञान:-

चेचक , खसरा, इन्फ्लुएंजा, हरपीज ज़ोस्टर, पोलियोमाइलाइटिस, एन्सेफलाइटिस, संक्रामक हेपेटाइटिस, रैब्स।

प्रतिरक्षा:-

1. प्रतिरक्षा के प्रकार - प्राकृतिक रूप से प्राप्त।

2. फागोसाइटोसिस, ओप्सोनिन, बैक्टीरियोलिसिस, एंटीटॉक्सिन।

3. एग्लूटीनिन, एंटीजन-एंटीबॉडी रिएक्शन।

4. एलर्जी और अतिसंवेदनशीलता प्रतिक्रिया, एनाफिलेक्टिक झटका।

11/3/22

vi. स्पेशल पैथोलॉजी:-

रक्त के रोग - एनीमिया, विभिन्न प्रकार, नैदानिक विशेषताएं, हेमटोक्रिट मूल्य, क्लोरोसिस ल्यूकेमिया।

संचार प्रणाली के रोग - पेरिकार्डिटिस, पेरिकार्डियल इफ्यूजन, आमवाती हृदय रोग, बैक्टीरियल एंडोकार्डिटिस सिफिलिटिक, महाधमनी, धमनीकाठिन्य, धमनीविस्फार, मायोकार्डियल रोधगलन।

तंत्रिका तंत्र के रोग :- मेनिनजाइटिस, एन्सेफलाइटिस, ब्रेन एब्सेस, ब्रेन ट्यूमर, सिफिलिटिक स्नेह- सामान्य पक्षाघात (जीपीआई) और टैब्स डॉर्सलिस, पार्किंसनिज़्म।

श्वसन प्रणाली के रोग: क्रोनिक ब्रोंकाइटिस, वातस्फीति, फुफ्फुसीय तपेदिक, न्यूमोनाइटिस, प्राथमिक परिसर, न्यूमोकोनियोसिस, फुफ्फुसीय रोधगलन

इकाई- 7 - मूत्रजननांगी प्रणाली के रोग:-

I. किडनी ग्लोमेरुलो नेफ्रैटिस, नेफ्रोटिक सिंड्रोम, पायलोनेफ्राइटिस, रीनल ट्यूबरकुलोसिस, नेफ्रोलिथियासिस, नेफ्रोकैल्सीनोसिस, पेरिनेफ्रिक फोड़ा। ट्यूमर नेफ्रोब्लास्टोमा (विल्म का ट्यूमर)। हाइपरनेफ्रोमा, पॉलीसिस्टिक किडनी, हाइड्रोनफोसिस।

II. **मूत्रवाहिनी** - पथरी, हाइड्रोयूरेटर।

III. **मूत्राशय** - सिस्टाइटिस, पथरी, पैपिलोमा, कार्सिडोमा।

IV. **मूत्रमार्ग** - गोनोकोकल मूत्रमार्गशोथ, मूत्रमार्ग का सख्त होना।

V. **प्रोस्टेट** - प्रोस्टेट का सौम्य हाइपरप्लासिया और प्रोस्टेट का कार्सिनोमा।

VI. **पेनिस** - बालनोपोस्टहाइटिस, पेनिस का कार्सिनोमा।

VII. **टेस्टिस ऑर्काइटिस** - फाइलेरिया, पोस्ट- मम्प, ट्यूबरकुलोसिस, टेस्टिकुलर ट्यूमर।

VIII. **महिला जननांग प्रणाली** -

अ. अंडाशय - सिस्ट और ट्यूमर।

आ. फैलोपियन ट्यूब - सल्पिंगिटिस, पायोसालपिन और तपेदिक।

इ. गर्भाशय - फाइब्रॉएड, गार्सिनोमा।

ई. गर्भाशय - कटाव, गर्भाशय ग्रीवा का कार्सिनोमा।

उ. योनि - योनिशोथ और ट्यूमर।

पाचन तंत्र:-

अ. **एसोफैगस** - अचलसिया कार्डिया, ओसोफैगिटिस। पेप्टिक रिलक्स, ओसोफेज्ड वैरिस, इरोसिव ओसोफैगिटिस, कार्सिनोमा सहित ट्यूमर।

ब. **पेट** - जन्मजात हाइपरट्रॉफिक पाइलोनिक ऑरानिक्रिओन, घृताइटिस के कारण, प्रभाव, गैस्ट्रिक, पेप्टिक अल्सर, गैस्ट्रिक हौमोशेज, ट्यूमर-सौम्य, घातक, पाइलोरिक स्टेनोसिस, कोर्सिव गैसफिट्री, कर्टिंगिसेक्स।

11/3/22

मूल्यांकन और परीक्षा योजनाः-

विषय	सैद्धांतिक			प्रायोगिक			कुल
	बाहरी		अंदर का मूल्यांकन	बाहरी		अंदर का मूल्यांकन	
	अधिकतम अंक	समय	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक	समय	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक
पेपर - एक बुनियादी शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान	70	3 घंटे	30	80	4 घंटे	20	200
पेपर-दो फार्मेसी एंड मटेरिया मेडिका	70	3 घंटे	30	80	4 घंटे	20	200
पेपर - तीन प्रेक्टिस आफ मेडिसिन	70	3 घंटे	30	80	4 घंटे	20	200

उत्तीर्णता मापदंडः-

क्रमांक _	कौशल परीक्षा का विषय	सैद्धांतिक में अधिकतम अंक	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक
1.	आंतरिक मूल्यांकन सहित सिद्धांत	(70+30) 3 = 300 (लिखित परीक्षा 210) (आंतरिक मूल्यांकन 90)	50%	150
2.	आंतरिक मूल्यांकन सहित व्यावहारिक	(80+20) 3 = 300 (प्रायोगिक परीक्षा 240) (आंतरिक मूल्यांकन 60)	50%	150

प्रायोगिक प्रशिक्षण में प्रशिक्षार्थी को प्रैक्टिल फाइल बनाना अनिवार्य होगा ।

11/3/22